

[श्री सत्यनारायण सिंह]

और गरीब किसानों का आन्दोलन चल रहा है। उन को बड़ी निर्दयता से दवाने का कोशिश बड़े बड़े जर्नलदार वहाँ के कर रहे हैं। लेकिन जैसा मैंने कहा वहाँ पर कोई लोकप्रिय सरकार न होने के कारण गरीब जनता अपने चुने हुए सच्चे प्रतिनिधियों द्वारा अपनी मांगों, शिकायतों और उन पर होने वाले दमन व अत्याचार के विरुद्ध वहाँ पर असेम्बली में अपनी आवाज बुलन्द नहीं कर सकती। वहाँ पर गवर्नर का शासन कायम है और इस स्थिति का नाजायज लाभ उठा कर बिहार के जो जमीनों के बड़े-बड़े मालिक व जमींदार लोग हैं वह खतिहर मजदूरों और गरीब किसानों को हर तरीके से तबाह कर रहे हैं व बर्बाद कर रहे हैं। गरीबों पर होने वाले अत्याचार इन हद तक बढ़ गए कि वहाँ पर एक आदमी को पकड़ा गया, उसे मारा गया और केवल मार कर ही संतोष नहीं किया गया अपितु उस गरीब को दोनों आँखें भी निकाल ली गईं। इस तरह के दर्दनाक और हैवानियत से भरे कारनामे आज वहाँ गरीबों पर हो रहे हैं लेकिन उन को कोई आवाज पार्लियामेंट और असेम्बली के अन्दर सुनाई नहीं पड़ती। उधर बंगाल में अगर कोई रेडिकल रिफॉर्म करने की कोशिश की जाती है तो वहाँ पर ला एंड आर्डर की बात उठा कर खूब शोर किया जाता है लेकिन बिहार के अन्दर यह सब जो कुछ हो रहा है, गरीबों पर अत्याचार किया जा रहा है उस के लिए कहीं कोई आवाज नहीं उठाई जाती है। मैं आप से कहना चाहता हूँ कि आज बिहार की जो स्थिति है कि वहाँ पर कोई भी लोकप्रिय सरकार नहीं है तो यह स्थिति समाप्त होनी चाहिए और वहाँ पर लोकप्रिय सरकार की स्थापना की जानी चाहिए। जो पार्टियाँ यह कहती हैं कि वह बिहार में सरकार बना सकती हैं उन को सरकार को इन के लिए मौका देना चाहिए कि वह अपने दावे को सिद्ध कर सकें। जब संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी यह कहती है कि

यह बिहार में सरकार बनाने की स्थिति में है तो केन्द्रीय सरकार द्वारा उसे वहाँ पर सरकार बनाने के लिए मौका क्यों नहीं दिया जाता? यह बहुत आवश्यक है कि आज की बिहार की स्थिति को समाप्त किया जाए, वहाँ पर लोकप्रिय सरकार की स्थापना हो और जनत पर होने वाले दमन व अत्याचार का अन्त किया जा सके। जनता की आवाज वहाँ की असेम्बली में उन के प्रतिनिधियों द्वारा उठाई जा सके।

मैं उदाहरण महोदय के माध्यम से मन्त्री महोदय से कहना चाहूँगा कि आज जब देश के कोने-कोने में यह बात मान ली गई है कि जब तक खेती में रेडिकल रिफॉर्म नहीं किए जाएंगे, जब तक देश के नामने मोजूद गहरे संकट की बुनियाद में जो खेतिहर संकट है उन हल नहीं किया जाएगा, तब तक देश का संकट नहीं किया जा सकता। सरकार जब तक वहाँ असेम्बली को काम करने का मौका नहीं देती है, जनता के प्रतिनिधि असेम्बली के अन्दर इकट्ठा नहीं होते हैं, तब तक कोई आर्डनेंस निकाल कर सरकार को रेडिकल रिफॉर्म को लागू करना चाहिए। ऐसा सरकार क्यों नहीं करता है? अगर ऐसा किया गया तभी हमारे देश और बिहार की जनता का संकट दूसरे करने में मदद मिल सकेगी।

13 hrs.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock

The Lok Sabha reassembled after Lunch at Ten Minutes Past Fourteen of the Clock.

[MR. DEPUTY-SPEAKER in the Chair.]

MOTION RE: CONTEMPT OF HOUSE BY SOME VISITORS

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI RAGHURAMIAH):

I beg to move:

"This House resolves that the persons calling themselves (1) Shri Tarachand C. Shah, (2) Shri Krishna P. Patil and (3) Shri Gulabrao R. Deshmukh who threw some leaflets from the Visitors' Gallery on the floor of the House at 12.25 p.m. today and whom the Watch and Ward Officer took into custody immediately have committed a grave offence and are guilty of the contempt of this House.

This House further resolves that they be sentenced to simple imprisonment till 6 p.m. on Saturday, the 20th December, 1969 and sent to Tihar Jail, Delhi."

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"This House resolves that the persons calling themselves (1) Shri Tarachand C. Shah, (2) Shri Krishna P. Patil and (3) Shri Gulabrao R. Deshmukh who threw some leaflets from the Visitors' Gallery on the floor of the House at 12.25 p.m. today and whom the Watch and Ward Officer took into custody immediately have committed a grave offence and are guilty of the contempt of this House.

This House further resolves that they be sentenced to simple imprisonment till 6 p.m. on Saturday, the 20th December, 1969 and sent to Tihar Jail, Delhi."

The motion was adopted.

14.12 hrs.

BIHAR LAND REFORMS LAWS (REGULATING MINES AND MINERALS VALIDATING BILL—contd.

SHRIMATI ILA PALCHOU DHURI (Krishnanagar): I would like to make one point. I want to bring something to the notice of the House. It is something which is agitating the minds of the people of West Bengal...

MR. DEPUTY-SPEAKER: We are now in the minds of the discussion of a Bill....

SHRIMATI ILA PALCHOU DHURI: I am not talking about bank robbery, but I have received telegrams and trunk calls..

MR. DEPUTY-SPEAKER: It cannot be raised like that here. Let her do it with a proper motion.

SHRIMATI ILA PALCHOU DHURI: Cultivators are being killed in West Bengal when paddy is harvested and taken home. In Burdwan and Midnapore and other places, this has happened....

MR. DEPUTY-SPEAKER: I would request the hon. Member to do it with a proper motion.

Now, the hon. Minister.

SHRI JAGANATHA RAO: I am grateful to the hon. Members who took part in the debate this morning....

ADJOURNMENT OF THE HOUSE—
 contd.

श्री कीकर सिंह (भाटण्डा) : डिप्टी स्पीकर साहब . . .

MR. DEPUTY-SPEAKER: The hon. Member may raise his point after the hon. Minister has finished his speech.

SHRI SHRI CHAND GOYAL (Chandigarh): May I make one submission?....

MR. DEPUTY-SPEAKER: The hon. Minister has yielded and I have allowed Shri Kiker Singh to make a submission. Let him make his submission first.

श्री कीकर सिंह: आपने पहले भी यही कहा था कि इस काम को खत्म कर लेने दो, उस के बाद इस को लेंगे, लेकिन आप हाउस एडजार्न कर के चले गए। अब मेरी रिक्वेस्ट यही है कि हाउस अभी-अभी एडजार्न कर दिया जाए।

SHRI SHRI CHAND GOYAL: Usually, after the lunch-recess, new subjects are raised, and in the morning you were kind enough to point out that in the midst of the debate, it would not be desirable and proper to raise new issues.

Today is a great day. Guru Teg Bahadur had laid down his life here in Delhi. It was an act of supreme sacrifice in the history of India. We adjourned yesterday when all the Members had come here and today the attendance in the House is also thin....

MR. DEPUTY-SPEAKER: I think Shri Kiker Singh is going to make the same submission. I have allowed him. Let him first make his submissions, and then I shall allow the hon. Member.